पर्यायवाची शब्द

प्रस्तुतकर्ता
डॉ.सुनील बहल

नीचे लिखे वाक्य पढ़िए –

(*i*) मैं पार्टियों में **कम** खाता हूँ।

(*ii*) मैं पार्टियों में **थोड़ा** खाता हूँ।

(*iii*) मैं पार्टियों में **ज़रा-सा** खाता हूँ।

उपर्युक्त वाक्यों में प्रयुक्त रेखांकित शब्दों – 'कम', 'थोड़ा' और 'ज़रा-सा' के अर्थ समान हैं। ये पर्यायवाची शब्द हैं।

अतः समान अर्थ रखने वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते हैं।

विशेष : अर्थ में समानता होते हुए भी पर्यायवाची शब्द हमेशा प्रयोग में एक दूसरे का स्थान नहीं ले सकते।

जैसे– नेता जी की बात का लोगों पर **बड़ा** प्रभाव हुआ।

नेता जी की बात का लोगों पर **बहुत** प्रभाव हुआ।

उपर्युक्त वाक्यों में '**बड़ा**' और '**बहुत**' पर्यायवाची की तरह प्रयुक्त हुए हैं।

किन्तु निम्नलिखित वाक्यों में '**बड़ा**' और '**बहुत**' का प्रयोग देखिए –

वह **बड़ा** आदमी है।

वह **बहुत** आदमी है।

यहाँ 'बड़ा' शब्द 'बहुत' का बिल्कुल भी पर्यायवाची नहीं है।

कहीं-कहीं देखने में तो शब्द एक दूसरे के पर्यायवाची लगते हैं किन्तु प्रयुक्त होने पर ध्यान से देखें तो सूक्ष्म अंतर लगता है या इनका प्रयोग अटपटा-सा लगता है। जैसे- 'पानी' का पर्यायवाची है- '**जल**'। 'गंगा जल ले आओ' या 'मुझे शीतल जल पिला दो' आदि वाक्यों में गंगा के पानी को तथा पीने के पानी को तो 'जल' कहा जा सकता है किन्तु 'नाली का जल बह रहा है', नहीं कहा जा सकता। यहाँ कहा जाएगा- 'नाली का पानी बह रहा है'।

अन्य उदाहरण देखिए- 'कृष्ण को माखन चुराकर खाने के कारण माखनचोर भी कहा जाता है'। उपर्युक्त वाक्य को - **'गिरिधारी (पर्वत को धारण करने वाले) को माखन चुराकर खाने के कारण माखनचोर भी कहा जाता है'**। इस तरह कहना बिल्कुल अटपटा-सा लगता है।

अत: हरेक शब्द का प्रयोग विषय और संदर्भ के अनुसार ही करना चाहिए।

शब्द	पर्यायवाची शब्द
अग्नि	आग, अनल, पावक, दाहक, ज्वाला
अध्यापक	गुरु, आचार्य, उपाध्याय, शिक्षक
अनुपम	अतुल, अतुल्य, अतुलनीय, अनोखा, अद्‌भुत, निराला
आँख	नेत्र, चक्षु, नयन, लोचन, विलोचन
आकाश	आसमान, गगन, अबंर, नभ, शून्य, अक्षर, अनंत
इच्छा	चाह, चाहत, जी, कामना, अभिलाषा, आकांक्षा, लालसा, आशा
ईश्वर	ईश, भगवान, परमात्मा, परमेश्वर, प्रभु, जगदीश
उद्‌यान	बाग, बगीचा, उपवन, वाटिका, गुलशन, गुलसिताँ
कमल	जलज, नीरज, वारिज, सरोज, अंबुज, राजीव, पंकज
कृष्ण	गोविंदा, गोपाल, देवकी नंदन, नंदकुमार, नंदलाल, नंदनंदन, गोपीनाथ, गिरिधारी
गगा	देव सरिता, सुर सरिता, सुरनदी, देवनदी, सुरसरि, जाह्‌नवी, भागीरथी
घर	आवास, आलय, धाम, निकेत, निकेतन, निलय, गेह
चंद्रमा	चंद, चन्द्र, चाँद, शशि, सोम, सुधाकर, सुधांशु, रजनीश, मयंक, माहताब

जंगल वन, कानन, विपिन, अरण्य।

जल पानी, अंबु, नीर, वारि, सलिल, पय, तोय,

जीभ जिह्वा, रसना, ज़ुबान

झंडा ध्वज, ध्वजा, पताका, परचम, वैजयंती

तलवार खड्ग, शमशेर, शमशीर, चंद्रभास, चंद्रहास, असि, करवार, करवाल, करवीर

तालाब सर, सरोवर, तड़ाग, ताल, जलाशय, सलिलाशय

दर्पण शीशा, आइना, आरसी, मुकुर

धन्यवाद

डॉ.सुनील बहल

एम.ए.(संस्कृत,हिंदी),एम.एड.,पीएच.डी(हिंदी)